

सितम्बर 2020 के वरदानी योगाभ्यास...

	1	2	3	4	5	6	7	8	9	10	11	12	13	14	15	16	17	18	19	20	21	22	23	24	25	26	27	28	29	30
1. अमृतवेले योग कैसा रहा? शक्तिशालीए, मध्यमबी, साधारणसी,																														
2. रोजाना की मुरली को बार-बार दोहराया?																														
3. व्यर्थ से सदा मुक्त समर्थ स्थिति में रहे?																														
4. कर्म करते हुए स्वभाव सरल रहा?																														
5. रात्रि सोने से पूर्व आधा घंटा योग किया?																														



नोट - सितम्बर 2020 के वरदानी योगाभ्यास सितम्बर महीने की मुरलियों से ही लिये गये हैं इसलिए मुरलियों के वरदान के विस्तार को गहराई से अध्ययन कर उसका अनुभव करते हुये चलते-फिरते, उठते-बैठते, खाते-पीते मनसा सेवा से स्वयं को व्यस्त रख वायुमण्डल को शक्तिशाली बनाना है।



01. सदा सफलतामूर्त भव
02. साक्षात्कारमूर्त, विश्व सेवाधारी भव
03. सम्पूर्ण निश्चयबुद्धि भव
04. सदा निर्माण भव
05. निरन्तर योगी, सहजयोगी भव
06. देह भान त्याग निक्रोधी, निर्माणचित्त भव
07. सदा अन्तर्मुखी भव
08. निरन्तर विश्व कल्याणकारी भव
09. अनुभव रूपी रत्नों से सम्पन्न भव
10. सच्चे ट्रस्टी, मायाजीत भव
11. योगयुक्त, बन्धनमुक्त भव

12. सदा समर्थ भव के वरदानी भव
13. स्वमानधारी पुण्य आत्मा भव
14. मास्टर दिलाराम भव
15. निद्राजीत, चक्रवर्ती भव
16. सदा आज्ञाकारी, दिलतख्तनशीन भव
17. अशरीरी स्थिति के अनुभवी, प्रीत बुद्धि भव
18. बंधनमुक्त, योगयुक्त भव
19. प्रवृत्ति में रहते निरन्तर योगी भव
20. सदा विश्व कल्याणकारी भव
21. अव्यक्त फरिश्ता भव
22. सदा शक्ति स्वरूप भव

23. नम्रता संपन्न विशेष सेवाधारी भव
24. प्राप्ति सम्पन्न लवलीन आत्मा भव
25. निमित्त, डबल लाइट भव
26. विजय प्राप्त करने वाले मास्टर रचता भव
27. रहमदिल, विश्व कल्याणकारी भव
28. रहमदिल, शुभचिंतक भव
29. सच्चे स्व कल्याणी भव
30. प्रकृति जीत भव

ओम् शान्ति